

जाति तोड़ो, समाज जोड़ो-वारकरी संप्रदाय के मूलमंत्र को बनाए रखना समय की आवश्यकता: पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर

बीड़, ३१ (प्रतिनिधि): आज के समय में समाज को एकजुट करने का कार्य पारंपरिक रूप से वारकरी संप्रदाय द्वारा किया गया है। जात-पात को महत्व न देकर सभी समाज के लोगों को एक छत्रछाया में लाने का कार्य वारकरी संप्रदाय ने किया है। ज्ञानदेव ने नींव रखी, मंदिर खड़ा किया, नामदेव उनके सेवक, जिन्होंने इसे संवारा। इस वाक्य के अनुसार, संत ज्ञानेश्वर द्वारा स्थापित वारकरी संप्रदाय का विस्तार संत नामदेव महाराज, संत तुकाराम महाराज, संत एकनाथ महाराज, संत चोखामेला, संत जनाबाई आदि संतों ने किया है। जाति तोड़ो, समाज जोड़ो यह वारकरी संप्रदाय का मूलमंत्र है और इसे अपनाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। यह बात पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर ने कही। श्रीक्षेत्र गोरक्षनाथ टेकड़ी पर धर्मनाथ

बीज के अवसर पर आयोजित अखंड हरिनाम सप्ताह में ह.भ.प. अक्रूर महाराज साखरे द्वारा प्रस्तुत काल्याचे कीर्तन के दौरान पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर ने कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने मठाधिपति ह.भ.प. शांतीब्रह्म नवनाथ बाबा महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए कहा: गोरक्षनाथ टेकड़ी के विकास के लिए वे पूर्ण रूप से समर्पित हैं। अब तक ९ करोड़ रुपये के विकास कार्य पूरे हो चुके हैं। आगामी समय में सड़क, फर्श और कंपाउंड निर्माण के लिए और प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में संतों की विचारधारा के अनुसार चलने की आवश्यकता है।



संतों की शिक्षाओं के कारण ही लोहचुंबक की तरह लोगों को एकजुट करने का महत्वपूर्ण कार्य संभव हुआ है। सत्ता हो या न हो, विकास कार्य जारी रहेगा क्षीरसागर ने कहा कि गोरक्षनाथ टेकड़ी के विकास के लिए सत्ता में रहना जरूरी

नहीं, वे लगातार प्रयास करते रहेंगे। भक्तों की बार-बार की जाने वाली मांगों को ध्यान में रखकर इस स्थान के विकास के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। भक्ति का कोई भी रूप अपनाएं, लेकिन इसमें सच्ची श्रद्धा होनी चाहिए।

गोरक्षनाथ टेकड़ी का हर भक्त उनकी प्राथमिकता में शामिल है। सभी जाति-धर्म के भक्तों के लिए खुला स्थान उन्होंने यह भी कहा कि वैकुंठवासी किसन बाबा ने जिस परंपरा की शुरुआत की थी, उसे मठाधिपति नवनाथ बाबा ने कायम रखा है। हर वर्ष यह सप्ताह बड़े स्तर पर मनाया जाता है, जिसमें क्षेत्र के भक्तों को एकजुट किया जाता है। यह स्थान सभी जाति-धर्म के भक्तों के लिए खुला है, कोई भेदभाव नहीं किया जाता। बीड़ जिले की यह परंपरा अत्यंत समृद्ध है, और इसे बनाए रखने के लिए सभी को प्रयास करना चाहिए। गोरक्षनाथ टेकड़ी के विकास के लिए प्रस्ताव

उन्होंने आश्वासन दिया कि यहां की सड़क, फर्श और कंपाउंड निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा और इसे जल्द से जल्द मंजूर कराया जाएगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित मठाधिपति ह.भ.प. शांतीब्रह्म नवनाथ बाबा महाराज, ह.भ.प. अखंडानंद गिरी महाराज, माउली महाराज वडवणीवर, पूर्व मंत्री बदामराव पंडित सहित गंगाधर घुमारे, अरुण डाके, सखाराम मस्के, अरुण लांडे, हनुमान देवकते, नारायण देवकते, दादासाहेब लांडे, बंडू गाड़ीवान, चंद्रकांत फड, जनार्दन जोगदंड, बाबुराव करांडे, दिनकर लांडे, कांतराव डोईफोडे, सुनील थोरात, रामा भोगे, सोमनाथ माने, ओमप्रकाश खवतड, शाम काकडे, कैलास देवकते, नागेश शिंदे, बंडू लांडे, परमेश्वर थापडे सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे।

विद्यार्थियों को अंडा पुलाव, मीठी खिचड़ी और रागी सतू देने का भी विकल्प!

स्कूली शिक्षा विभाग की जानकारी

मुंबई । तभा न्यूज सेवा/ विशेष प्रतिनिधि: केंद्र सरकार ने योजना के तहत जनभागीदारी बढ़ाकर विद्यार्थियों को पोषणयुक्त और विविध प्रकार का आहार उपलब्ध कराने के लिए स्कूलों में 'स्नेहभोजन' उपक्रम शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत, स्कूल प्रबंधन समितियों को यदि संभव हो, तो विद्यार्थियों को अंडा पुलाव, मीठी खिचड़ी और रागी सतू देने का विकल्प दिया गया है। इस संबंध में २८ जनवरी को आदेश जारी किया गया है, जिसकी जानकारी स्कूली शिक्षा विभाग ने दी है। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत पोषक आहार प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत - पहली से पाँचवीं कक्षा के प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों को ४५० कैलोरी और १२ ग्राम प्रोटीन युक्त आहार दिया जाता है। छठी से आठवीं कक्षा के उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों को ७०० कैलोरी और

२० ग्राम प्रोटीन युक्त आहार प्रदान किया जाता है। वर्तमान में केंद्र सरकार ने प्राथमिक विद्यार्थियों के लिए प्रति विद्यार्थी प्रति दिन ५.४५ रुपये और उच्च प्राथमिक विद्यार्थियों के लिए ८.१७ रुपये प्रति दिन आहार खर्च की सीमा तय की है। इस योजना के तहत विद्यार्थियों को स्थानीय रूप से उपलब्ध खाद्य पदार्थ और अनाज को शामिल करने की संभावनाओं का अध्ययन करने के निर्देश दिए गए थे। इसके अनुसार, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य सामग्री और अनाज का उपयोग कर भोजन की गुणवत्ता और पोषण बढ़ाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य, आहार और शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों की एक समिति बनाई गई थी। नई आहार योजना में विविधता समिति की सिफारिशों के आधार पर, पिछले वर्ष ११ जून के सरकारी निर्णय के तहत, विद्यार्थियों के पोषण आहार में विविधता लाने के लिए तीन संरचित आहार पद्धतियाँ अपनाई गईं:

चावल और दाल/दलहन से बना भोजन अंकुरित दालें (स्पाउट्स) मिटे व्यंजन के रूप में चावल की खीर और रागी सतू इन सुधारों को लागू करने के लिए जनप्रतिनिधियों, केंद्रीय रसोई प्रणाली के माध्यम से भोजन उपलब्ध कराने वाली शहरी संस्थाओं/बचत समूहों, इस योजना के तहत काम करने वाले रसोइयों और सहायकों के संगठन से सुझाव प्राप्त किए गए थे। नए विकल्पों का समावेश केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित प्रति विद्यार्थी आहार खर्च की सीमा को ध्यान में रखते हुए, नई रेसिपी में अंडा पुलाव और मीठी खिचड़ी/रागी सतू को वैकल्पिक रूप में शामिल किया गया है। इस योजना के तहत पहले भी नवाचार के रूप में विद्यार्थियों को अंडे और केले उपलब्ध कराए गए थे। केंद्र सरकार ने निर्देश दिया है कि छात्रों को अनाज से मिलने वाले पोषण का अधिक लाभ दिलाने के लिए इस योजना में अनाज के उपयोग को बढ़ाया जाए।

शिवसेना नेता अशोक धोडी की ‘दृश्यम’ स्टाइल में हत्या!

जमीर काज़ी । मुंबई: १२ दिन पहले अगवा किए गए पालघर जिले में शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता अशोक धोडी का शव शुक्रवार को बरामद हुआ। गुजरात के भिलाड गाँव में एक बंद पड़ी पत्थर की खदान में उनकी कार मिली, जिसमें उनका शव पाए जाने से राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। प्रसिद्ध हिंदी फिल्म 'दृश्यम' की तर्ज पर अपराधियों ने पहले उनकी हत्या की, फिर शव को उनकी ब्रेजा कार की डिक्की में रखकर खदान में फेंक दिया। इस हत्याकांड का मुख्य सूत्रधार उनका सगा भाई अविनाश धोडी है, जो फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से फरार है। यह हत्या अवैध शराब तस्करी के विवाद के कारण हुई है, और पुलिस ने इस मामले में अब तक ५ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। २० जनवरी को हुआ था अपहरण शिवसेना (शिंदे गुट) के पदाधिकारी और डहाणू विधानसभा क्षेत्र के समन्वयक अशोक धोडी का २० जनवरी

अपहरण के बाद हत्या कर शव को कार की डिक्की में डालकर गुजरात की खदान में फेंका

को अपहरण कर लिया गया था। उनके परिवार ने अगले दिन इसकी शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस उन्हें तलाशने में नाकाम रही। आखिरकार, आज गुजरात के भिलाड के सरिग्राम मालफलिया इलाके में एक बंद पड़ी खदान में उनकी लाल ब्रेजा कार पानी में आधी डूबी हुई पाई गई। स्थानीय पुलिस ने पालघर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद तुरंत एक टीम घटनास्थल पर भेजी गई। गोताखोरों और क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला गया। जब कार की डिक्की खोली गई, तो उसमें अशोक धोडी का शव मिला। कार में एक काले रंग की जैकेट और सफेद रंग के मोबाइल ईयरफोन भी मिले। १२ दिनों से लापता अशोक धोडी का शव बेहद खराब हालत में मिला, जिससे सनसनी फैल गई। उन्हें बेरहमी

से मारा गया था, और पुलिस जांच में इसकी पूरी जानकारी सामने आएगी। अब तक चार गिरफ्तार, मुख्य आरोपी फरार धोडी अपहरण और हत्या मामले में पुलिस ने विशाल गोरारत, रविंद्र मोरगा, सतीश दुमाडा और संतोष धिंडे को गिरफ्तार किया था। चारों आरोपियों को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें ७ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस जांच में यह साफ हो गया कि चारों का अशोक धोडी के अपहरण और हत्या में सीधा हाथ था। लेकिन इस पूरी साजिश का मुख्य सूत्रधार अशोक धोडी का सगा भाई अविनाश धोडी है। जानकारी के मुताबिक, अशोक धोडी उनके अवैध शराब तस्करी के धंधे में बाधा बन रहे थे, इसलिए अविनाश ने उनकी हत्या करवा दी।

पुलिस ने अविनाश को पहले हिरासत में लिया था, लेकिन वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। शराब तस्करी के विवाद में हत्या अविनाश धोडी दमण से अवैध शराब लाकर महाराष्ट्र में बेचता था। लेकिन अशोक धोडी इसके खिलाफ थे और उन्होंने महाराष्ट्र-गुजरात सीमा पर इस अवैध तस्करी के विरोध में आक्रामक रुख अपनाया था। इसी को लेकर दोनों भाइयों में पुराना विवाद था। एक साल पहले अशोक धोडी ने अविनाश की शराब की गाड़ी का पीछा किया था। उस समय अविनाश ने अशोक की गाड़ी को टक्कर मारकर वासा माछीपाड़ा के पुल से नीचे गिराने की कोशिश की थी, लेकिन अशोक बच गए थे। हालांकि, २० जनवरी को उन्हें अगवा कर हत्या कर दी गई।

सिख परिवार ने गांव के मुस्लिम समुदाय को मस्जिद बनाने के लिए लाखों की जमीन दान कर दी



अमृतसर (संवाददाता) पंजाब में रहने वाले एक सिख परिवार ने आपसी एकता और भाईचारे की भावनाओं को और मजबूत करने के उद्देश्य से मुस्लिम समुदाय को मस्जिद बनाने के लिए अपनी जमीन दे दी.पंजाब के जिले में एक सिख परिवार ने गांव के

मुस्लिम समुदाय को मस्जिद बनाने के लिए लाखों की जमीन दान कर दी है. सिख परिवार की हर कोई सराहना कर रहा है. मलेरकोटला जिले के उमरपुर गांव में हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल सामने आई है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, जिस सिख परिवार ने गांव के मुस्लिम

समुदाय को मस्जिद बनाने के लिए जमीन दी है, उनका नाम सुखजिंदर सिंह नोनी और उनके भाई अवंतिंदर सिंह हैं. उमरपुरा गांव के पूर्व सरपंच सुखजिंदर सिंह नोनी और उनके भाई अवंतिंदर सिंह ने मस्जिद के निर्माण के लिए ५.५ बिस्वा जमीन का एक टुकड़ा दान किया है. मलेरकोटला पंजाब का एकमात्र ऐसा जिला है, जहां मुस्लिम आबादी १९४७ में विभाजन के बाद भी भारत में बनी रही. यहां से कोई भी पाकिस्तान गया ही नहीं. यह वह क्षेत्र है जो कभी एक नवाब द्वारा शासित रियासत था, तबसे और १९४७ के सांप्रदायिक तनाव के दौरान सिखों की तरफ से यहां के मुस्लिमों को सुरक्षा मिलती रही है.

Heavy Parcel Booking

9960828578 / 9156333999

Beed Office

9075868000

7058575575

Online Booking

redBus

www.redbus.in

पे

G Pay

paytm

SAPNA TRAVELS

AC Sleeper

Free Wifi

Free Water bottle

Mobile Charging

CCTV Camera & GPS

Clean & Comfortable bed

Beed to Mumbai (panvel-sion-borivali)

Beed to Pune (bhosari-nigdi)

Shivaji Chowk, Near Mahindra showroom, Beed-431122

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बारशी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafuiddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com

cmvkv